वी.यू. में 'फॉरेंसिक पैथोलॉजी' की नवीन तकनीकों के विषय पर 14 दिवसयी प्रशिक्षण का शुभारंभ

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत पशु चिकित्सा व्याधि विज्ञान विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, जबलपुर में दिनांक 01.09.2021 से 14 दिवसीय ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम शीर्षक **'फॉरेंसिक पैथोलॉजी'** की नवीन तकनीकों का प्रारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन एवं डॉ. बी.एन. त्रिपाठी, उपमहानिदेशक पशु विज्ञान भा.कृ.अ.प. नई दिल्ली के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। वस्तुतः माननीय कुलपति महोदय जी इस कार्यक्रम के प्रेरणास्त्रोत है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को फॉरेंसिक पैथोलॉजी की अत्याधुनिक तकनीकों के बारे से अवगत कराना है।

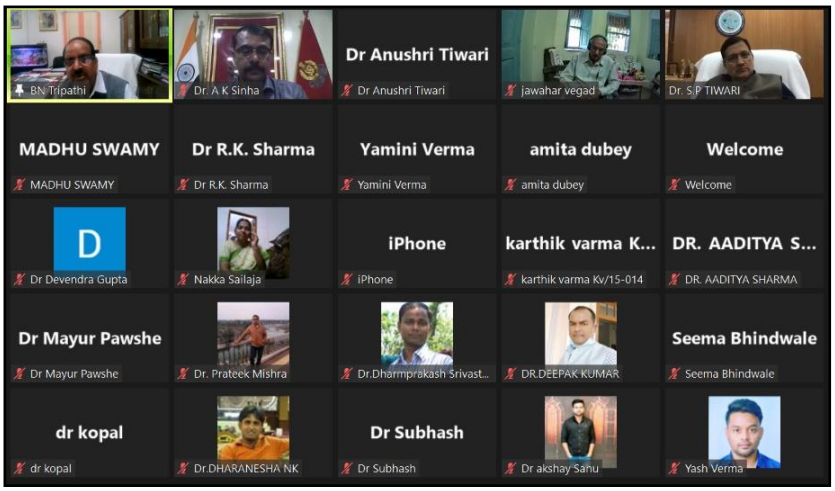

इस प्रशिक्षण में संपूर्ण देश से कुल 169 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। सम्मानीय डॉ. जे.एल. वेगड एवं डॉ. ए.के. कटियार जैसे व्याधि विज्ञानविदों ने उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। डॉ. एन.व्ही. कुरकुरे ने कार्यक्रम के दौरान **फॉरेंसिक पैथोलॉजी** का महत्व समझाया। इस कार्यक्रम में डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता संकाय, डॉ. श्रीकांत जोशी, संचालक शिक्षण, डॉ. आर.के. शर्मा अधिष्ठता, आदि सम्मानीयगणें का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस 14 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ. मधु स्वामी, पाठ्यक्रम निर्देशक डॉ. यामिनी वर्मा एवं समन्वयक डॉ. अमिता दुबे है।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहें।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर